भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित पश्न संख्या 1849

दिनांक 02 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

महाराष्ट्र में पोषण अभियान

1849. श्री अमर शरदराव काले:
श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:
श्री संजय दीना पाटिल:
श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटील:
श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़:
श्रीमती सुप्रिया सुले:
श्री नागेश बापुराव अष्टिकर पाटिल:
श्री बजरंग मनोहर सोनवणे:

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी कि :-

(क) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान पोषण अभियान के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य को कितना बजट आवंटन किया गया;
(ख) महाराष्ट्र में उक्त अवधि के दौरान पोषण अभियान की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके अंतर्गत जिला-वार कितने लाभार्थी हैं;
(ग) महाराष्ट्र में पोषण अभियान के कार्यान्वयन की अवधि के दौरान शिशुओं, बच्चों, किशोरियों और महिलाओं में स्टंटिंग, अल्पपोषण, रक्ताल्पता और जन्म के समय कम वजन के जिला-वार कितने मामले हैं;
(घ) क्या इस अभियान के अंतर्गत राज्यों को कम धनराशि स्वीकृत की गई और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ड.) क्या सरकार ने देश भर में मिशन की सफलता का मूल्यांकन करने के लिए कोई निगरानी तंत्र स्थापित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) बच्चों में स्टंटिंग की समस्या को कम करने के लिए क्या प्रभावी उपाय किए गए हैं?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) : पोषण अभियान 8 मार्च 2018 को शुरू किया गया था। 15वें वित्त आयोग के तहत, आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरियों के लिए योजना (आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14-18 वर्ष) को मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के तहत शामिल किया गया है ताकि बेहतर पोषण सामग्री और प्रदायगी के माध्यम से कुपोषण की समस्या का समाधान किया जा सके। पिछले तीन वर्षों के दौरान मिशन पोषण 2.0 के तहत महाराष्ट्र राज्य को किए गए बजट आवंटन का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख): मिशन पोषण 2.0 एक सार्वभौमिक स्व-चयन (प्रवेश में कोई बाधा नहीं) योजना है जो आंगनवाड़ी केंद्रों में नामांकन कराने वाले सभी लाभार्थियों के लिए उपलब्ध है और इसे महाराष्ट्र राज्य सहित देश भर के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित किया जा रहा है। महाराष्ट्र राज्य में मिशन पोषण 2.0 की वर्तमान स्थिति, लाभार्थियों के जिलेवार विवरण के साथ **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ग): बच्चों, किशोरियों और महिलाओं में एनीमिया तथा शिशुओं में जन्म के समय अल्पवजन का विवरण राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के तहत जारी किया जाता है। यह सर्वेक्षण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा किया जाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 की रिपोर्ट राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण पोर्टल (http://nfhs.in/ nfhsnew/nfhsuser/publication.php) पर उपलब्ध है।

वर्ष 1992-93 से कराए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के विभिन्न चक्रों में बच्चों में कुपोषण संकेतकों में सुधार दिखाया गया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-1 से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 तक 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए इन संकेतकों का ब्यौरा नीचे दिया गया है

एनएफएचएस सर्वेक्षण	**अल्पवजन %**	**दुबलापन %**	**ठिगनापन %**
एनएफएचएस -1 (1992-93)*	53.4	17.5	52
एनएफएचएस -2 (1998-	47	15.5	45.5

99)**			
एनएफएचएस -3 (2005-6)***	42.5	19.8	48.0
एनएफएचएस -4 (2015-16)***	35.8	21.0	38.4
एनएफएचएस -5 (2019-21)***	32.1	19.3	35.5

* 4 साल से कम

** 3 साल से कम

*** 5 साल से कम

उपर्युक्त तालिका उस समय 0-3 वर्ष, 0-4 वर्ष और 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों में कुपोषण संकेतकों की तस्वीर प्रस्तुत करती है। इस तालिका से पता चलता है कि पिछले 30 वर्षों के दौरान बच्चों में कुपोषण का स्तर लगातार कम हो रहा है।

वर्ष 2021 तक 5 वर्ष तक के बच्चों की अनुमानित जनसंख्या 13.75 करोड़ है (स्रोत: भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमान 2011-2036, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)। तथापि, 5 वर्ष तक की आयु के केवल 7.65 करोड़ बच्चे ही आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत हैं। पोषण ट्रैकर के जून 2024 के आंकड़ों के अनुसार, इनमें से 7.37 करोड़ बच्चों का विकास मापदंडों पर मापन किया गया। इनमें से 36.5% बच्चे ठिगने पाए गए, 16.4% बच्चे अल्पवजन के पाए गए और 6% दुबले पाए गए।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2021 में 6 वर्ष तक के बच्चों की अनुमानित जनसंख्या 16.1 करोड़ है। पोषण ट्रैकर के जून 2024 के आंकड़ों के अनुसार, 8.91 करोड़ बच्चे (0-6 वर्ष) आंगनवाड़ी में नामांकित हैं, जिनमें से 8.57 करोड़ बच्चों का विकास मापदंडों पर मापन किया गया था। इन बच्चों में से 35.6% बच्चे (0-6 वर्ष) ठिगने हैं और 17.2% बच्चे (0-6 वर्ष) अल्पवज़न के हैं।

पोषण ट्रैकर पर जून 2024 के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में बच्चों के पोषण संकेतकों का जिलेवार विवरण **अनुलग्नक-III** में दिया गया है।

(घ) : मिशन पोषण 2.0 के तहत, 2021-22 से राज्यों को जारी की गई निधि में केवल वृद्धि हुई है, जिसका विवरण इस प्रकार है:

2021-22	2022-23	2023-24
18,368.01 करोड़	19,849.82 करोड़	21,741.17 करोड़

(ङ.) : आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वितरण सहायता प्रणालियों को मजबूत करने और उसमें पारदर्शिता लाने के लिए आईटी प्रणालियों का लाभ उठाया गया है। दिनांक 1 मार्च, 2021 को एक महत्वपूर्ण नियंत्रण उपकरण के रूप में 'पोषण ट्रैकर' एप्लिकेशन शुरू किया गया था। पोषण ट्रैकर परिभाषित संकेतकों पर सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और लाभार्थियों की निगरानी और ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करता है। पोषण ट्रैकर के तहत प्रौद्योगिकी का उपयोग बच्चों में ठिगनेपन, दुर्बलता, अल्पवजन की व्यापकता की सतत पहचान के लिए किया जा रहा है। मोबाइल एप्लिकेशन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले वास्तविक रजिस्टरों के डिजिटलीकरण और स्वचालन की सुविधा भी प्रदान की है जो उनके काम की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। पोषण ट्रैकर हिंदी और अंग्रेजी सहित 24 भाषाओं में उपलब्ध है। इसने आंगनवाड़ी सेवाओं जैसे दैनिक उपस्थिति, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई), पका हुआ गर्म भोजन (एचसीएम)/टेक होम राशन (टीएचआर-कच्चा राशन नहीं), विकास माप आदि के लिए लगभग वास्तविक समय पर डेटा संग्रह करने की सुविधा प्रदान की है।

(च) : मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता, आउटरीच, व्यवहार परिवर्तन और एडवोकेसी के माध्यम से कुपोषण में कमी लाने तथा स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और प्रतिरक्षा में सुधार के लिए कार्यनीतिक बदलाव किया गया है। यह योजना मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चों के आहार मानदंडों, गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम)/मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएएम) के उपचार और आयुष पद्धतियों के माध्यम से तंदुरुस्ती पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि कुपोषण, अल्पवजन, ठिगनेपन और एनीमिया को कम किया जा सके।

इस योजना के अंतर्गत, बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष), गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों को जीवन चक्र दृष्टिकोण अपनाकर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में कुपोषण के चक्र को दूर करने के लिए पूरक पोषण प्रदान किया जाता है। पूरक पोषण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की अनुसूची-II में निहित पोषण मानदंडों के अनुसार प्रदान किया जाता है। कुपोषण की समस्या से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए इन पोषण मानदंडों को संशोधित किया गया है। पुराने मानदंड मुख्यतः कैलोरी-विशिष्ट थे जबकि संशोधित मानदंड पूरक पोषण की मात्रा और गुणवत्ता दोनों के मामले में अधिक व्यापक और संतुलित हैं, जो आहार विविधता के सिद्धांतों पर आधारित हैं और गुणवत्तापूर्ण प्रोटीन, स्वस्थ वसा और सूक्ष्म पोषक तत्व का प्रावधान किया गया।

सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा करने तथा महिलाओं और बच्चों में एनीमिया को कम करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति की जा रही है। लाभार्थियों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर सप्ताह में कम से कम एक बार पका हुआ गर्म भोजन और टेक होम राशन (टीएचआर - कच्चा राशन नहीं) तैयार करने के लिए मिलेट (श्री अन्न) के उपयोग पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

मिशन पोषण 2.0 के तहत की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों में से एक सामुदायिक जुटाव और जागरूकता प्रसार है जो लोगों को पोषण संबंधी पहलुओं पर शिक्षित करने के लिए जन आंदोलन बनती रही है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र क्रमशः सितंबर और मार्च-अप्रैल के महीने में मनाए जाने वाले पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के दौरान सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रमों के तहत नियमित रूप से संवेदीकरण गतिविधियों का आयोजन और रिपोर्टिंग कर रहे हैं। सामुदायिक आधारित कार्यक्रम (सीबीई) ने पोषण प्रथाओं को बदलने में महत्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में काम किया है और सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को हर महीने सामुदाय आधारित दो कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता होती है।

******

अनुलग्नक-I

"महाराष्ट्र में पोषण अभियान" के संबंध में श्री अमर शरदराव काले, श्री नीलेश ज्ञानदेव लंके, श्री संजय दीना पाटिल, श्री मोहिते पाटिल धैर्यशील राजसिंह, श्री भास्कर मुरलीधर भगरे, डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे, प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़, श्रीमती सुप्रिया सुले, श्री अष्टिकर पाटिल नागेश बापुराव, और श्री बजरंग मनोहर सोनवणे द्वारा दिनांक 02.08.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1849 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पिछले तीन वर्षों के दौरान मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य को आवंटित धनराशि:

राज्य का नाम	राशि करोड़ रुपये में		
	2021-22	2022-23	2023-24
	जारी की गई निधि	जारी की गई निधि	जारी की गई निधि
महाराष्ट्र	1713.39	1646.17	1699.52

<u>अनुलग्नक-II</u>

"महाराष्ट्र में पोषण अभियान" के संबंध में श्री अमर शरदराव काले, श्री नीलेश ज्ञानदेव लंके, श्री संजय दीना पाटिल, श्री मोहिते पाटिल धैर्यशील राजसिंह, श्री भास्कर मुरलीधर भगरे, डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे, प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़, श्रीमती सुप्रिया सुले, श्री अष्टिकर पाटिल नागेश बापुराव, और श्री बजरंग मनोहर सोनवणे द्वारा दिनांक 02.08.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1849 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पोषण ट्रैकर से जून 2024 तक महाराष्ट्र राज्य में लाभार्थियों का जिलावार और लाभार्थी-वार विवरण:

जिला	**बच्चे (0 - 6 महीने)**	**बच्चे (6 महीने - 3 वर्ष)**	**बच्चे (3 - 6 वर्ष)**	**स्तनपान कराने वाली माताएं**	**गभवती महिलाएं**	**किशोरियां**
अहमदनगर	14398	134045	156779	15872	18468	
अकोला	3295	39329	48452	4124	5657	
अमरावती	8792	79977	91017	10050	12940	
बीड	7334	82905	99123	8189	11248	
भंडारा	2979	32080	38041	3868	5452	
बुलढाणा	8408	79581	90942	9291	10927	
चंद्रपुर	4729	51884	62676	5590	8611	
छत्रपति संभाजीनगर	8490	104635	131328	9938	13057	
धाराशिव	4168	48638	56207	4910	6864	29586
धुले	8111	83122	98299	8553	10179	
गडचिरोली	3901	37283	45634	4435	6519	23465
गोंदिया	5351	42804	48946	5522	7248	
हिंगोली	3321	40799	45073	4189	5857	
जलगांव	11560	125334	152064	13041	15884	
जलना	5202	65867	77855	6444	8991	
कोल्हापुर	11153	87521	104662	12055	12275	

जिला	बच्चे (0 - 6 महीने)	बच्चे (6 महीने - 3 वर्ष)	बच्चे (3 - 6 वर्ष)	स्तनपान कराने वाली माताएं	गभवती महिलाएं	किशोरियां
लातूर	7993	68083	72607	8458	11092	
मुंबई शहर	1614	26233	36943	1704	2087	
मुंबई उपनगर	8446	130028	176015	9051	11772	
नागपुर	6745	92433	108509	8903	13490	
नांदेड़	12361	114782	125650	12945	17589	
नंदुरबार	6348	72250	83704	6752	10229	33697
नासिक	16455	169724	206297	18384	23051	
पालघर	6606	78578	103933	7689	9985	
परभनी	3903	49680	57286	4728	6553	
पुणे	16434	173898	205489	18397	20813	
रायगढ़	5728	60345	75106	6329	7716	
रत्नागिरि	2991	25146	33674	3151	3217	
सांगली	7754	66212	84121	8347	9358	
सतारा	6201	61983	77968	7375	7939	
सिंधुदुर्ग	1661	10812	13773	1641	1680	
सोलापुर	11190	117478	145725	12910	14393	
थाइन	8265	106419	134371	8953	12593	
वर्धा	2649	30709	37434	3258	4687	
वाशिम	4091	41617	45834	4796	6378	26492
यवतमाल	10336	83427	93812	10676	13130	
कुल	**258963**	**2715641**	**3265349**	**290518**	**367929**	**113240**

अनुलग्नक-III

"महाराष्ट्र में पोषण अभियान" के संबंध में श्री अमर शरदराव काले, श्री नीलेश ज्ञानदेव लंके, श्री संजय दीना पाटिल, श्री मोहिते पाटिल धैर्यशील राजसिंह, श्री भास्कर मुरलीधर भगरे, डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे, प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़, श्रीमती सुप्रिया सुले, श्री अष्टिकर पाटिल नागेश बापुराव, और श्री बजरंग मनोहर सोनवणे द्वारा दिनांक 02.08.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1849 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

जून 2024 तक महाराष्ट्र राज्य में बच्चों (5 वर्ष से कम आयु) के लिए पोषण संकेतकों का जिलावार विवरण*:

जिला	ठिगनापन (%)	दुर्बलता (%)	अल्पवज़न (%)
अहमदनगर	47.63	3.81	14.26
अकोला	47.05	5.61	12.65
अमरावती	46.02	5.13	19.65
बीड	51.09	5.52	15.74
भंडारा	37.5	5.33	13.82
बुलढाणा	41.35	3.36	15.44
चंद्रपुर	48.85	5.13	19.14
छत्रपति संभाजीनगर	48.75	4.69	18.04
धाराशिव	36.33	4.15	12.65
धुले	53.44	7.62	26.58
गडचिरोली	49.82	7.32	29.59
गोंदिया	48.83	5.59	17.47
हिंगोली	52.91	6.8	19.68
जलगांव	46.41	3.93	17.1
जालना	53.43	3.52	18.46
कोल्हापुर	16.98	1.81	5.81
लातूर	36.77	3.56	11.71
मुंबई शहर	36.31	9.2	15.03
मुंबई उपनगर	36.54	8.68	15.63
नागपुर	40.16	5.81	13.28
नांदेड़	44.4	5.21	13.88

जिला	ठिगनापन (%)	दुर्बलता (%)	अल्पवज़न (%)
नंदुरबार	68.21	11.26	47.25
नासिक	49.74	5.26	22.73
पालघर	66.82	3.47	30.21
परभनी	53.7	5.28	16
पुणे	35.7	3.36	10.4
रायगढ़	39.03	2.21	11.37
रत्नागिरि	43.21	2.49	13.75
सांगली	28.01	4.22	8.5
सतारा	39.56	2.83	9.55
सिंधुदुर्ग	43.52	3.58	17.15
सोलापुर	43.72	3.27	10.54
ठाणे	44.51	6.55	18.8
वर्धा	50.45	3.33	16.06
वाशिम	33.75	1.02	4.55
यवतमाल	50.37	4.88	17.25

* पोषण ट्रैकर डेटा के अनुसार